

संपादकीय

मजबूत राष्ट्र के लिए

लोकसभा चुनाव में बीजेपी की ऐतिहासिक जीत सुनिश्चित करके भारतीय मतदाता ने एक ऐसी मजबूत सरकार के लिए जनादेश दिया है, जो आतंकवाद और सुरक्षा के मुद्दों पर सख्त फैसले ले सके। इस क्रम में बीजेपी अकेले दम पर अपना एक कार्यकाल पूरा करके दूसरी बार सत्ता में आने वाली पहली गैर-कांग्रेसी पार्टी बन गई है। नेहरू युग के बाद किसी प्रधानमंत्री के पक्ष में जनता ने ऐसा भरोसा पहली बार ही दिखाया है। याद करें तो नरेंद्र मोदी से पहले यह गौरव इंदिरा गांधी को भी नहीं हासिल हो पाया था। न सिर्फ बीजेपी बल्कि उसके तमाम सहयोगी दलों ने मोदी के नाम पर ही वोट मांगे। दरअसल, भारत में एक मजबूत नेता की छवि लोगों के लिए काफी मायने रखती है। मोदी के बरक्स विपक्ष का कोई भी नेता मतदाताओं की इस कसौटी पर खरा नहीं उतर सका। पिछले पांच सालों में सरकार की कई नीतियों पर विपक्ष ने सवाल उठाए, उसके कुछ कदमों का प्रबल विरोध हुआ लेकिन इसके बावजूद सरकार के प्रति लोगों का भरोसा नहीं टूटा। ऐसा शायद इसलिए हुआ कि नोटबंदी जैसे एकाध अवसरों को छोड़कर आमजन का जीवन कूल मिलाकर स्थिर रहा। सरकार के कार्यकाल के दौरान खान-पान और रोजमर्रा की अन्य जरूरी चीजें एक सीमा से ज्यादा महंगी नहीं हुईं। साधारण जनता को प्रभावित करने वाली कई स्कीमों भी जमीन पर उतरतीं और लोगों को उसका फायदा मिला। जैसे किसान सम्मान निधि के तहत जरूरतमंदों तक पैसे पहुंचे। उच्चला योजना के तहत कमजोर वर्ग के लोगों को बड़े पैमाने पर गैस कनेक्शन मिले। स्वच्छ भारत के तहत शौचालय निर्माण योजना का लाभ भी हर किसी को बराबर मिला। लेकिन सबसे ऊपर राष्ट्रवाद का मुद्दा रहा।

आतंकवाद को लेकर मोदी सरकार के आक्रामक स्टैंड और सर्जिकल स्ट्राइक तथा एयर स्ट्राइक की कार्रवाइयों ने जनता को अपने राष्ट्रीय शत्रु पर जीत का एक मनोवैज्ञानिक संतोष दिया और लोगों में राष्ट्रीय स्वाभिमान का भाव जगाया। लोगों में यह उम्मीद पैदा हुई है कि नरेंद्र मोदी की अगुआई में भारत दुनिया के एक ताकतवर देश के रूप में उभर सकता है। इन सारे पहलुओं को ध्यान में रखते हुए लोगों ने जाति-धर्म और क्षेत्र के आग्रहों से ऊपर उठकर बीजेपी को वोट दिया। दूसरी तरफ विपक्ष खुद को मोदी सरकार के मजबूत विकल्प के रूप में पेश करने में विफल रहा। उसने सरकार के कदमों की आलोचना की, कुछ मामलों में वैकल्पिक नीतियां भी पेश कीं, लेकिन विकल्प बनने की संभावना नहीं जगा सका। उसके आपसी अंतर्विरोध उसकी सारी कोशिशों पर हावी रहे। अपोजिशन के कई नेता एक-दूसरे की टांग खींचते रहे। कुछ लीडर अपने राज्य के बाहर नहीं देख पाए और यूपी में उन्होंने जातियों का गठबंधन बनाकर आम चुनाव जीतने का मन बनाया! इस चुनाव ने भारतीय वोटर्स के बदले हुए माइंडसेट पर भी मोहर लगाई है, जो पुराने ढंग से फैसले नहीं करता।

विदेशी कंपनियों को चीन से भारत लाने और व्यापार घाटा कम करने के लिए मोदी सरकार की रणनीति तैयार

नई दिल्ली (आरएनएस)। भारत ने चीन के बाजार में अपने कृषि उत्पादों की पहुंच बढ़ाने और दवाओं के निर्यात को बढ़ावा देने के लिए रणनीति तैयार कर ली है। साथ ही, उसने अमेरिका तथा चीन के बीच ट्रेड वॉर के मद्देनजर चीन से अपने मैन्युफैक्चरिंग बेस को हटाने की इच्छा रखने वाली विदेशी कंपनियों को लुभाने के लिए एक ठोस रणनीति को भी अमली जामा पहनाया गया है। विभाग द्वारा तैयार किए गए



नैतिक दस्तावेज को केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री सुरेश प्रभु को सौंप दिया गया है। केंद्रीय वाणिज्य विभाग के रणनीतिक दस्तावेज का उद्देश्य चीन के साथ व्यापार घाटे को कम करना, इलेक्ट्रॉनिक्स,

टेलिकॉम, इलेक्ट्रिकल इंचिपमेंट और फार्मास्यूटिकल्स के आयात का विकल्प तलाशने के लिए क्षेत्रवार रणनीति तैयार करना है। चीन के साथ भारत का व्यापार घाटा वित्त वर्ष 2018 में रेकॉर्ड 63.04 अरब डॉलर रहा है। सितंबर 2017 में मंत्रालय का कार्यभार ग्रहण करने के बाद ही प्रभु चीन के साथ व्यापार घाटे को कम करने को लेकर रणनीति तैयार करने के लिए खुद दिशा-निर्देश देने का काम कर रहे थे। इस रणनीति का

उद्देश्य चीन को निर्यात बढ़ाना और लोकल मैन्युफैक्चरिंग के जरिये आयात कम करना है। टेलिकॉम इंडस्ट्री के विचारों का हवाला देते हुए दूरसंचार विभाग ने कहा कि चीन भारतीय कंपनियों के साथ कई तरह के भेदभाव करता है और उनके खिलाफ प्रतिबंध लगाता है। उद्योग ने प्रिंटेड सर्किट बोर्ड और कैमरा मॉड्यूल की लोकल मैन्युफैक्चरिंग तथा क्षेत्र के लिए एक रिसर्च ऐंड डेवलपमेंट फंड तैयार करने का सुझाव दिया है।

वर्ल्ड कप से पहले टीम इंडिया को लगा बड़ा झटका



लंदन (आरएनएस)। विश्व कप खेलने के लिए इंग्लैंड पहुंची भारतीय टीम को अपना पहला अभ्यास मैच न्यूजीलैंड के खिलाफ खेला है, लेकिन मैच से एक दिन पहले ही उसके लिए विजय शंकर की चोट चिंता बन गई है। कप्तान कोहली के ऑलराउंडर विजय शंकर की चोट ने उन्हें टेंशन में डाल दिया है। जानकारी के मुताबिक, शंकर को अभ्यास मैच के दौरान दाहिने कंधे में चोट लगी और वह तुरंत मैदान छोड़कर बाहर चले गए। विजय बल्लेबाजी का अभ्यास कर रहे थे तभी भारतीय टीम को प्रैक्टिस कराने के लिए इंग्लैंड गए बाएं हाथ तेज गेंदबाज खलील अहमद की बाउंसर पर पुल करने गए और गेंद उनके हाथ में लगी। बीसीसीआई ने हालांकि शंकर की स्थिति पर अभी तक कोई औपचारिक स्पष्टीकरण नहीं दिया है।

गोएयर ने 10 लाख सीट के साथ शुरू की विशेष सेल

किराया 899 रुपये से शुरू

मुंबई (आरएनएस)। किफायती एयरलाइन गो एयर ने एक स्पेशल टिकट सेल का ऐलान किया है। इसके तहत कंपनी कम किराए पर 10 लाख सीटों को बिक्री के लिए रखेगी। किराया 899 रुपये से शुरू हो रहा है। तीन दिन की सेल 27 मई से शुरू हो रही है। गोएयर ने विज्ञप्ति जारी कर कहा कि 15 जून से

31 दिसंबर तक की यात्रा अवधि पर ये किफायती किराया लागू है। गोएयर के प्रबंध निदेशक जे वाडिया ने कहा कि इस सेल की घोषणा ऐसे समय में की जा रही है जब हर कोई बढ़ते किराये को लेकर चिंता व्यक्त कर रहा है। सेल ऑफर में ग्राहकों को जून से दिसंबर के बीच यात्रा की को तारीख और वक्त चुनने की छूट होगी। गोएयर के एमडी जे वाडिया ने कहा

कि बड़ी बात यह है कि मेगा मिलियन सेल ऐसे समय में आ रही है जब ग्राहक हवाई किराया बढ़ने की शिकायत कर रहे हैं। इसके अलावा, गोएयर कम-से-कम 2,499 रुपये के टिकट खरीदने के लिए पेटिएम वॉलेंट से पेमेंट करने पर 500 रुपये तक कैशबैक जैसी विशेष छूट भी दे रही है। साथ ही, मिंट्रा ऐप पर कम-से-कम



1,999 रुपये खर्च करने पर ही टिकट पर 10 प्रतिशत का सीधा डिस्काउंट मिलेगा। यह डिस्काउंट ऑफर 31 अगस्त तक लागू रहेगा।

प्रत्यक्ष कर कानून पर कार्यबल 31 जुलाई तक रिपोर्ट सौंपेगा

नई दिल्ली (आरएनएस)। नए प्रत्यक्ष कर कानून का मसौदा बनाने के लिए गठित कार्यबल को दो माह का विस्तार दिया गया है। अब यह कार्यबल 31 जुलाई तक अपनी रिपोर्ट सौंपेगा। यह नया प्रत्यक्ष कर कानून मौजूदा आयकर कानून का स्थान लेगा। एक अधिकारी ने शुक्रवार को कहा वित्त मंत्री अरुण जेटली ने प्रत्यक्ष कर समिति द्वारा रिपोर्ट देने की आखिरी तारीख को बढ़ाकर 31 जुलाई कर दिया है। इस विस्तार के बाद प्रत्यक्ष कर समिति अपनी रिपोर्ट संभवतः 2019-20 का पूर्ण बजट पेश होने बाद सौंपेगी।

सपाट पिचों पर बोलिंग का आदी हूं, तो चिंता नहीं: युजवेंद्र चहल

नई दिल्ली (आरएनएस)। इंग्लैंड की पिचों पर पिछले कुछ समय में बल्लेबाजों का बोलबाला रहा है। वर्ल्ड कप के दौरान भी जमकर रन बनने की उम्मीद है। इंग्लैंड की सपाट पिचें गेंदबाजों के लिए किसी बुरे सपने की तरह हो सकती हैं, लेकिन हरियाणा के लेग स्पिनर युजवेंद्र चहल इससे ज्यादा परेशान नहीं हैं। 28 वर्षीय इस युवा खिलाड़ी ने कहा, मैं इस बात को लेकर बिल्कुल भी चिंतित नहीं हूँ कि इंग्लैंड में पिचें सपाट होंगी क्योंकि मैं ऐसी पिचों पर खेलने का आदी हूँ। यह मत भूलिए कि मैं साल में ज्यादातर मैच

चिन्नास्वामी स्टेडियम में खेलता हूँ, जो बल्लेबाजी के लिए सबसे अच्छी पिचों में से एक है। रक्षात्मक नहीं होंगे वनडे में 41 मैचों में 72 विकेट लेने वाले इस बोलर ने कहा, जब हम सपाट पिचों की बात करते हैं तो अगर जितने दबाव में मैं दबाव में रहूंगा तो विपक्षी टीम का गेंदबाज भी इतने ही दबाव में रहेगा। चहल की सबसे बड़ी ताकत निडर होकर गेंदबाजी करना है। इस साहसिक मानसिकता का फायदा उन्हें आंद्रे रसेल और डेविड वॉर्नर जैसे खतरनाक बल्लेबाजों के खिलाफ होता है।



मोदी सरकार मिडिल क्लास को दे सकती है टैक्स छूट

नई दिल्ली (आरएनएस)। एनडीए सरकार, जुलाई में अपना पूर्णकालिक बजट पेश कर सकती है। दूसरे कार्यकाल के पहले पूर्ण बजट में सरकार मिडिल क्लास को ध्यान में रखते हुए कई राहत दे सकती है। लोकसभा चुनावों से पहले अंतरिम बजट पेश करने के बाद तत्कालीन वित्त मंत्री पीयूष गोयल ने कहा था कि यह तो ट्रेलर है, जब पूर्ण बजट जुलाई में पेश होगा तो उसमें मिडिल क्लास और नए मिडिल क्लास का

खयाल रखा जाएगा। इस वादे को निभाया जा सकता है। वित्त मंत्रालय ने पूर्ण बजट को लेकर इंडस्ट्री और इकॉनमिस्ट के साथ राय-मंथना करना शुरू कर दिया है। सूत्रों के अनुसार अंतरिम बजट में 5 लाख रुपये तक की आमदनी पर इनकम टैक्स छूट दी गई थी। इसे बरकरार रखा जा सकता है। इसके अलावा, पूर्ण बजट में मिडिल क्लास के लिए इनकम टैक्स स्लैब में बदलाव किया जा सकता है। इनकम टैक्स निवेश छूट सीमा 1.50

लाख रुपये से बढ़ाई जा सकती है। 50 सालों से चले आ रहे इनकम टैक्स कानून में बदलाव किया जा सकता है। सरकार ने इसके लिए अलग से टास्क फोर्स बनाया है। यह टास्क फोर्स 31 मई को अपनी रिपोर्ट दे सकती है। इसकी सिफारिशों को बजट में लागू किया जा सकता है। आधार को केवाईसी के लिए लागू किया जा सकता है। सुप्रीम कोर्ट के आदेश के बाद आधार का प्रयोग, बैंक खाते और मोबाइल सिम समेत कई वित्तीय



और गैर-वित्तीय लेनदेन के लिए लेने के लिए अनिवार्य नहीं रह गया था। इसके बाद सरकार एक विधेयक लेकर के आई थी। इसमें आधार का प्रयोग केवाईसी के लिए करने का प्रावधान है। फिलहाल विधेयक लोकसभा में पास हो गया है और राज्यसभा में लंबित है। इसके अलावा, सीनियर सिटिजन के लिए शुरू की गई पेंशन योजना की समय-सीमा को 2020 से बढ़ाकर 2024 तक किया जा सकता है। इस

आज का राशिफल

मेष:- आर्थिक उन्नति के लिए योजना बनेगी। सामाजिक कार्य करने की प्रेरणा प्राप्त होगी। मान-सम्मान मिलेगा। काफी समय से अटक काम पूरे होंगे।
वृष:- किसी धार्मिक कार्य में भाग लेने का अवसर प्राप्त होगा। कोर्ट व कचहरी के रुके कार्य मजबूत रहेंगे। धन प्राप्ति सहज होगी। किसी से कहासुनी हो सकती है।
मिथुन:- वाहन व मशीनरी के प्रयोग में लापरवाही न करें। शारीरिक क्षति हो सकती है। विवाद के अवसर आने न दें। क्रोध व उतेजना पर नियंत्रण रखें। व्यापार-व्यवसाय ठीक चलेगा।
कर्क:- शत्रु सक्रिय रहेंगे। कानूनी अड़चन दूर होगी। लाभ के अवसर हाथ आएं। वैवाहिक प्रस्ताव मिल सकता है। व्यापार-व्यवसाय अच्छा चलेगा।
सिंह:- भूमि, भवन, फैक्टरी व शोरूम इत्यादि की खरीद-फरोख्त लाभदायक रहेगी। रोजगार में वृद्धि होगी। भाग्य का साथ रहेगा।
कन्या:- किसी आनंदोत्सव में भाग लेने का अवसर प्राप्त हो सकता है। छोटी-मोटी यात्रा हो सकती है। विद्यार्थी वर्ग अपने कार्य में सफलता प्राप्त करेंगे।
तुला:- कोई पुराना रोग परेशानी का कारण बन सकता है। किसी अपने ही व्यक्ति से कहासुनी हो सकती है। चिड़चिड़ापन रहेगा। काम में मन नहीं लगेगा।
शुक्र:- किसी प्रकार से धनहानि हो सकती है, सावधान रहें। शारीरिक कष्ट की आशंका है। थोड़े प्रयास से ही कार्यसिद्धि होगी। अस्वास्थ्य लोगों की मदद करने का अवसर प्राप्त होगा।
धनु:- घर में अतिथियों का आगमन होगा। शुभ समाचार प्राप्त होंगे। प्रसन्नता का वातावरण निर्मित होगा। मनोरंजन का समय मिलेगा।
मकर:- भाग्योन्नति के प्रयास सफल रहेंगे। रोजगार में वृद्धि होगी। व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। नवीन वस्त्राभूषण पर व्यय हो सकता है।
कुंभ:- शारीरिक कष्ट की आशंका है। लापरवाही न करें। कोई बड़ा खर्च हो सकता है। कुसंगति से हानि होगी। अपरिचित व्यक्तियों पर अंधविश्वास न करें।
मीन:- बकाया वसूली के प्रयास सफल रहेंगे। किसी लंबी यात्रा का कार्यक्रम बन सकता है। नया काम मिलेगा, प्रयास करें।

'नरिंगी कोपता' बनाने की विधि...

सामग्री:
कीमा-250 ग्राम, अंडे उबले हुए-4, अदरक लहसुन का पेस्ट-2, बेसन-4 चम्मच, लाल मिर्च पाउडर-स्वादनुसार, नमक-स्वादनुसार, दही-250ग्राम, घी-2 चम्मच, काली इलायची-4, लौंग-3, खसखस -1 छोटा चम्मच, जीरा -1/2 छोटा चम्मच, काली मिर्च-1/2 छोटा चम्मच, प्याज-2, काजू पेस्ट-1 छोटा चम्मच, तेल-अवयवकता अनुसार



करने के लिए आपको एक कीमा बॉल की जरूरत पड़ेगी अब अपनी हथेलियों को गिला करें, जिससे कीमा चिपके नहीं अब कीमा बॉल को अपने हथेलियों पर रखें और उंगलियों से उसे पतला दबाएं अब उबले अंडे को उस कीमा के बीच में रखें और साइड से लपेट दें, अंडा पूरा ढक जाना चाहिए अब एक कड़ाई में तेल डालकर गरम करें, और इन कोपतों को एक एक करके तले में एग कोपता है। अब एक कड़ाई में घी डाल कर गरम कीजिए, उसमें दही में मिलाया हुआ प्याज का पेस्ट डाल कर भूनें, उसके बाद नमक, लाल मिर्च पाउडर और मसाले के साथ मिन्ट भून लीजिए अब उसमें तला हुआ कोपता डालें और ढककर 3 मिन्ट पकाएं। और लीजिए इस मिश्रण को 4 भागों में बट दें, अंडे को कोट

शब्द सामर्थ्य- 75

चारों से दार्ष्ट
1. कतार, क्रम, पंक्ति 2. लंबवत, जायका 4. कारण, वजह 7. सुंदर प्रतीत होना, सुखद होना 8. चोड़े आदि का मल 9. अक्सर, ज्यादातर 10. चक्को में पीसना, मसलना, कुचलना 12. धनुष, फौजी टुकड़ी 13. आभूषण, जेवर 15. लहरों का चक्कर, परिवर्तित करना, पहले से भिन्न हो जाना 7. चांद, चंद्रमा, रवनीस 11. अग्नि, अरुचिकर 14. मैं का बहुवचन 15. भंगेड़ी, भंग करने वाला, झाड़ू लगाने तथा मैला साफ करने वाला 16. मातृभूमि, स्वदेश 19. मकखन, माखन 20. बुढ़ापा, धन, ज्वर 21. टालना, हटाना, बहाना करके हटाना 23. सीमा, हद 24. सी का पांचवा हिस्सा 25. चोड़े के पैरों में लगाने का लोहे का टुकड़ा, चौड़े आदि का डंडल।

शब्द सामर्थ्य क्रमांक 74 का हल

वि	ज	य	ब	नि	या	दे
वा	ती	त	र	रा	जी	व
ह	मा	म	स	प	ना	ता
न				टा		
दा	व	त		वि	ना	श
अ						
य	ह	त्या		ह	जा	ना
रा	ह	त		न	जर	व
वा				मी	ना	श्रय
दु	ला	रा		जा	न	की
क						

सू-दोक्-75

	3		7				2	1
2				9		4		
	7		1				5	
		1		5		2		7
	5					4		
		4		1		8		5
					1			
1	5		3		9			
2		6		5			1	

नियम
1. कुल 81 वर्ग हैं, जिसमें 9 वर्गों का एक खंड बनाता है।
2. हर खाली वर्ग में 1 से 9 के बीच का कोई एक अंक भर सकते हैं।
3. चारों से दार्ष्ट और ऊपर से नीचे के प्रत्येक कालम, कतार और खंड में 1 से 9 अंक में से किसी भी अंक का इन्तरेमाल एक बार ही कर सकते हैं।

सू-दोक् क्र. 74 का हल

8	9	5	1	6	3	2	4	7
3	2	1	9	7	4	8	6	5
4	7	6	2	5	8	3	9	1
7	6	9	5	2	1	4	3	8
1	8	3	4	9	7	6	5	2
2	5	4	8	3	6	1	7	9
5	3	8	7	4	2	9	1	6
6	1	7	3	8	9	5	2	4
9	4	2	6	1	5	7	8	3